

विचार प्रवाह



अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं-तो आप कर सकते हैं! अगर आप सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते हैं- तो आप नहीं कर सकते हैं! और किसी भी तरह से आप सही हैं. !
- शिव खेड़ा

संपादकीय

कोई भी भेदभाव धर्म के मर्म के विरुद्ध

यह विडंबना ही है कि 21^{वीं} सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संघटनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीबी नागरला ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और मुक्त के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोट्टा-बड़्डा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा ताकिकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी शक्ति को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19^{वीं} सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इसान की कदम रख सकता है। लेकिन आज यह हकीकत है कि भारत समेत कई विकसित देशों के मिशन चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। बेहरहाल, ऐसे में उस धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं, जो व्यक्ति, वर्ग, संप्रदाय व लिंग के आधार पर किसी भी तरह का भेद करता हो। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे निर्णयों का धर्म पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

आज का इतिहास

■ 1919 - जालियांवाला बाग हत्याकांड। अंग्रेज और गोरखा सैनिकों द्वारा निहत्थी भीड़ पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए।

■ पेरिस में शान्ति सम्मेलन का उद्घाटन, बेनिटो मुसोलिनी द्वारा इटैलियन फासिस्ट पार्टी की स्थापना।

■ 1994 - नई दिल्ली में एस्केप का स्वर्ण जयंती सत्र सम्पन्न, विश्व भर के बच्चों के शोषण से संघर्ष हेतु 112 नोबेल पुरस्कार विजेताओं द्वारा 'चाइल्ड राइट वर्ल्डसाइट' संगठन का गठन।

■ 2001 - विमान चालकों के लौटने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का चीन के प्रति रुख सख्त।

■ 2002 - शांति के प्रति एलटीटीई प्रमुख वी. प्रभाकरण की प्रतिबद्धता का संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वागत किया।

■ 2003 - एल.टी.टी.ई. ने टोकियो सहायता सम्मेलन का बहिष्कार किया।

■ 2004 - एन्टीगुआ में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध खेलते हुए 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।

■ 2005 - विश्वनाथन आनन्द चौथी बार 'विश्व शतरंज चैम्पियन' बने।

■ 2007 - भारत-रूस कूटनीतिक सम्बन्ध के 60 वर्ष पूरे हुए।

■ 2008 -उत्तर प्रदेश के नगर

निगम के 18 हजार कर्मचारियों के लिए 50% महंगाई भत्ते को वेतन में विलय करने को फैसला किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया।

चीन के लिपोनिंग प्रान्त के हलुदाओ शहर में एक कोयले की खान में हुए विस्फोट में 14 खदान कर्मियों की मौत।

■ 2010 - दुनिया के लगभग 50 देशों ने अगले चार सालों में संवेदनशील परमाणु सामग्री को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लक्ष्य का संकल्प लिया। रूस और अमेरिका ने 68 टन प्लूटोनियम को नष्ट करने के समझौते पर हस्ताक्षर किया।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने कंप्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़ी सभी समस्याओं का हल एक जगह उपलब्ध करवा दिया है। भारत के गृह राज्य मंत्री अनजय माकन ने केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार किए गए 'हिन्दी शब्द संसाधन' के इंटरनेट और पुस्तक दोनों संस्करण का लोकार्पण किया।

■ 2018- 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई। श्रीदेवी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, विनोद खन्ना को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार।

■ 1975 - ऋतु क्रीडाल - भारत की महिला वैज्ञानिक हैं।

■ 1956 - सुनिल अरोड़ा - भारत के 23वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं।

अविश्वास के साए में नाजुक शांति की कोशिश

अमेरिका-ईरान-इजरायल टकराव के बीच युद्धविराम पर अनिश्चितता

कूटनीति और शक्ति संतुलन की जंग, नाजुक युद्धविराम और बढ़ती आशंकाएं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच करीब 40 दिन तक जारी लड़ाई को थामने के लिए जो युद्धविराम हुआ, वह बहुत ही नाजुक है। यह आशंका बनी हुई है कि यह कभी भी टूट सकता है। युद्ध विराम की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला को निशाना बनाने के लिए एक बड़ा हमला किया, जिसमें करीब दो सौ से अधिक लोग मारे गए। जो युद्ध विराम हुआ, वह कथित तौर पर पाकिस्तान की मध्यस्थता के चलते हुआ। वह इस मध्यस्थता

का श्रेय लेने की कोशिश कर रहा है और अपने की बता रहा है, लेकिन वह विवादों के घेरे में आया और उपहास का पात्र भी बना। पाकिस्तान के हिसाब से युद्धविराम के दायरे में लेबनान भी था, लेकिन इजरायल ने इससे इन्कार किया और अमेरिका ने भी। इससे ईरान भड़क गया और उसने समुद्री मार्ग होर्मुज बंद रखने की चेतावनी दी। पाकिस्तान कुछ भी दावा करे, यह साफ है कि वह मध्यस्थ के स्थान पर संदेश वाहक की भूमिका में था।

पाकिस्तान की भूमिका पर उठते सवाल

यह उस पोस्ट से साबित हुआ, जिसमें लिखा था कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के लिए जारी की जानी वाली पोस्ट। बाद में यह उजागर भी हुआ कि इस पोस्ट को अमेरिका ने तैयार कर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को भेजा था और इसे खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने देखा था। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान न केवल अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा था, बल्कि चीन के भी संपर्क में था।

सीमाई मजबूरियां और कूटनीतिक सीमाएं

विवादित बयान और बढ़ता तनाव

चीन की भूमिका और रणनीतिक हित

चूंकि पाकिस्तान की सीमाएं ईरान से लगती हैं, इसलिए वह यह नहीं चाहता था कि इस युद्ध की आंच उस तक आए या फिर उसकी जमीन का इस्तेमाल अमेरिका करे या उसे सऊदी अरब के बचाव में आगे आना पड़े। दोनों ही सूरतों में उसके ईरान से रिश्ते बिगड़ जाते। पाकिस्तान परमाणु हथियार संपन्न देश अवश्य है, पर उसका कूटनीतिक प्रभाव और प्रतिष्ठा इतनी नहीं कि वह ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच कोई सुलह-समझौता करा पाए।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इजरायल के खिलाफ एक आपतिजनक पोस्ट की, जिसमें लिखा था कि मैं उम्मीद करता हूँ कि जिन लोगों ने यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाने के लिए फलस्तीनी जमीन पर कैसर जैसी विनाशकारी सत्ता (यानी इजरायल) को खड़ा किया, वे नरक में जलें। इजरायल की कड़ी आपति के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को यह पोस्ट डिलीट करनी पड़ी। इस सबके बीच ही पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता हो रही है।

फिलहाल इसका आकलन करना कठिन है कि अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर जो हमला किया, उससे उसे हासिल क्या हुआ, क्योंकि ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन हुआ और न ही उसकी सेना परप्त पड़ी। उल्टे वह इजरायल को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों में हमले करने में जुटा रहा। इससे खाड़ी देश तो संकट में पड़े ही, अमेरिका की भी परेशानी बढ़ी। युद्ध विराम की घोषणा के बाद भी इजरायल लेबनान को इसीलिए निशाना बना रहा है, क्योंकि वहां ईरान समर्थित हिजबुल्ला सक्रिय है। वह इजरायल को निशाना बनाता रहता है। पश्चिम एशिया में यहूदियों और मुसलमानों के बीच एक अरसे से बैर व्याप्त है।

'कुदरत के इंसाफ' की पूरी कहानी

बुलेरो एक्स्पीडेंट में बच गए दो मासूम, 3 किडनैपर की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

चार बदमाश दो बच्चों को उनके पिता सहित अगवा कर लेते हैं। इसके बाद बच्चों के पिता को मारने के लिए एक अलग कमरे में बंद कर दिया जाता है। जबकि दोनों बच्चों को एक गाड़ी में डालकर किसी अनजान जगह पर ले जाया जाता है। फिर दोनों बच्चों के हाथ पांव बांधकर उसी गाड़ी की डिग्गी में छुपा दिया जाता है। मगर तभी अचानक उस गाड़ी का एक्स्पीडेंट हो जाता है। इसके बाद जो कुछ होता है, उसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। चलिए जान लेते हैं, इस सनसनीखेज वारदात की पूरी कहानी। उस काले रंग की बुलेरो की बुरी हालत देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उसके अंदर लोगों का हाल क्या हुआ होगा। उसी गाड़ी के बराबर में खड़े लंबे-चौड़े टैंकर का हाल भी खराब था। यही वो टैंकर है, जिससे वो बुलेरो बेहद तेज रफ्तार में जाकर पीछे से टकराई थी। वो तो शुरू है कि टैंकर तब इसी तरह सड़क किनारे खड़ा था। अगर चलते टैंकर से टक्कर होती तो पता नहीं वो बची-खुची बुलेरो भी बचती कि नहीं।

डिग्गी में कैद मासूमों की कहानी

'कुदरत के इंसाफ' की चर्चा

1 अप्रैल से शुरू हुई साजिश

रेकी के बाद किडनैपिंग को अंजाम

हादसे के बाद का भयावह दृश्य

जानते हैं इतने भयानक हादसे के बाद भी गाड़ी की डिग्गी को ज्यादा नुकसान क्यों नहीं हुआ। क्योंकि उसी डिग्गी में तीन और छह साल के दो मासूम बच्चों को उनके हाथ-पांव बांध कर जबरन दस दिया गया था। दोनों बच्चों को किडनेप किया गया था और किडनेप उसी बुलेरो में उन बच्चों को किसी गुप्त ठिकाने पर लेकर जा रहे थे। लेकिन कुदरत को तो कुछ और ही मंजूर था।

बरेली में बंधक बनाकर रखे गए पिता-पुत्र

चार अप्रैल की रात ही दो बच्चों और उनके पिता को किडनेप करने के बाद बरेली लाया जाता है। वहां सभी को एक घर के अंदर बंद कर दिया जाता है। उधर, देर रात तक जब मनेज दोनो बेटे के साथ घर नहीं लौटता तो मनेज की पत्नी और दोनों बच्चों की मां पूजा गुरुग्राम थाने में रिपोर्ट लिखा देती है। रात बीत चुकी थी। अब पांच अप्रैल का दिन आ चुका था। किडनेपर पहले से तय कर चुके थे, उन्हें मनेज को मारना है। लिहाजा, पांच अप्रैल को चार किडनेपर दोनो बच्चों के हाथ-पांव बांध कर उन्हें बुलेरो गाड़ी की डिग्गी में डाल देते हैं। बाकी चार किडनेपर अब उसी बुलेरो में बैठते हैं और नए ठिकने की तरफ चल पड़ते हैं। गाडी अब मुरादाबद-दिल्ली हाईवे की तरफ जा रही थी। वो भी बेहद तेज रफ्तार से।

बच्चों की हालत और पुलिस की जांच

दोनों बच्चों की भी चोटें आई थीं। मगर चोट गहरी नहीं थी। मगर तीन साल के बच्चे के एक पर में फ्रैक्चर हुआ था। पर दोनों ठीक थे। बच्चों को जिस हाल में डिग्गी में रखा गया था। उससे पुलिस को फोन समझ आ गया था कि मामला किडनैपिंग का है। अब पुलिस बच्चों से पूछती है, तो बच्चे पूरी कहानी सुनाते हैं। इसी के बाद पुलिस बुलेरो से बरामद चारों किडनेपर के मोबाइल की मदद से पुलिस उनकी जानकारी जुटाना शुरू करती है।

दरअसल, साल 2025 में यूपी पुलिस ने यक्ष ऐप की शुरुआत की थी। ये ऐप असल में यूपी के अपराधियों का एक डेटा बैंक है। जिसमें ऐसे अपराधियों की जानकारी होती है, जिन्होंने कोई अपराध किया हो, जेल गए हैं या फरार हैं। यक्ष ऐप से पता चला कि बुलेरो में सवार चारों लड़के पेशेवर अपराधी थे।

उसकी चर्चा की शुरुआत होती है एक अप्रैल को। उबर की गाड़ी चलाने वाला झावर मनेज यूपी को बरेली का रहने वाला है। मगर रोजी-रोटी की वजह से वो काफी वक्त से गुरुग्राम में अपने परिवार के साथ रह रहा था। मनेज के घर में पत्नी तीन और छह साल के दो बेटे और 15 साल की गोद ली हुई एक बेटी रहती है। एक अप्रैल को एक शख्स जिसका नाम विशेष है, मनेज की गाड़ी बुक करता है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक वो मनेज की ही गाड़ी में घूमता रहता है।

उसरी वक्त पीछे से एक मोटर साइकिल भी आ रही थी। बुलेरो और टैंकर के टक्कर की वजह से मोटर साइकिल भी बुलेरो के पीछे से जा टकराई। मोटर साइकिल पर दो लोग सवार थे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ राहगीरों ने फोन पुलिस को हादसे की खबर दी। अब पुलिस मौके पर आती है। बुलेरो से एक-एक कर चार लोगों को लहलुहा हालत में बाहर निकालती है। पर तभी एक पुलिस वाले की नजर गाड़ी की डिग्गी पर पड़ती है। पुलिस हेरान रह जाती है। दो बच्चे जिनके हाथ पांव बंधे थे। बुरी तरह डरे-सहमे रो रहे थे। फोन पुलिस सभी को गाड़ी से निकाल कर अस्पताल ले जाती है। पर तब तक बुलेरो में सवार तीन लोग दम तोड़ चुके थे। जबकि एक की हालत गंभीर थी।

धनु- बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।

मकर- आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएँ। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कुंभ- कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मीन-न मंत्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विदिक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने सगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

प्रेरक प्रसंग

प्रयास खुद करना पड़ेगा

जंगल का राजा कहलाने वाला शेर अपनी ताकत, फुर्ती और साहस के लिए प्रसिद्ध होता है। हर कोई जानता है कि वह सबसे शक्तिशाली जानवरों में से एक है। लेकिन क्या



कभी आपने यह सोचा है कि क्या शेर को बिना मेहनत किए उसका भोजन मिल जाता है? क्या हिरण खुद उसके पास आकर कहता है कि 'मुझे खा लो'? बिल्कुल नहीं। शेर को अपने शिकार के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, सही समय देखना पड़ता है और पूरी ताकत से दौड़कर उसे पकड़ना पड़ता है। ठीक इसी तरह पानी में रहने वाला मगरमच्छ भी बहुत शक्तिशाली होता है। वह पानी का राजा माना जाता है। लेकिन क्या मछलियां खुद उसके मुंह में आकर गिर जाती हैं? नहीं। मगरमच्छ भी चुपचाप पानी में छिपकर सही मौके का इंतजार करता है और जैसे ही अवसर मिलता है, वह तेजी से हमला करता है। उसे भी अपने भोजन के लिए मेहनत करनी पड़ती है। इन दोनों उदाहरणों से हमें एक बहुत महत्वपूर्ण सीख मिलती है। चाहे आप कितने भी ताकतवर, बुद्धिमान या प्रतिभाशाली क्यों न हों, सफलता अपने आप आपके पास नहीं आती। अगर शेर और मगरमच्छ जैसे शक्तिशाली जीव भी अपने भोजन के लिए मेहनत करते हैं, तो इसान को तो और भी ज्यादा मेहनत करनी चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल सपने देखना ही काफी नहीं होता, उन्हें पूरा करने के लिए कदम भी उठाने पड़ते हैं। अगर आप किसी लक्ष्य को हासिल करना चाहते हैं, तो आपको अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलना होगा, चुनौतियों का सामना करना होगा और लगातार प्रयास करते रहना होगा। कई बार असफलता भी मिलेगी, लेकिन वही असफलता हमें और मजबूत बनाती है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

■ हर इंसान के अंदर कोई न कोई खासियत होती है। कोई पहाड़ में अच्छा होता है, कोई खेल में, तो कोई कला में। लेकिन अगर आप अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने नहीं लाते, तो उसकी कोई पहचान नहीं बन पाती। इसलिए जरूरी है कि आप अपने गुणों को निखारें और उन्हें सही दिशा में उपयोग करें।

■ नैतिक सीख: आप लाखों गुणों से भरे हो, लेकिन अपनी पहचान बनाने के लिए आपको खुद आगे आना पड़ेगा। सफलता पाने के लिए प्रयास करना ही सबसे जरूरी है।

राशिफल



मेघ- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।



वृषभ- व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएँ। विवाद पर व्यय होगा। पारिवारिक विता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।



मिथुन- नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। प्रमाद न करें।



कर्क- व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।



सिंह- राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुश्मन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सस्तेग का लाभ मिलेगा।



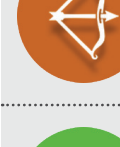
कन्या- व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा।



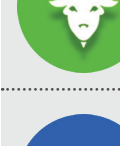
तुला-राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के सपनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शत्रुओं का पराभव होगा।



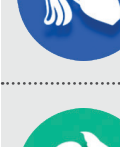
वृश्चिक- प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।



धनु- बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।



मकर- आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएँ। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।



कुंभ- कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।



मीन-न मंत्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विदिक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने सगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

अमेरिका में गूंजा विवेकानंद का नाम, पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का सिफ्टल में अनावरण किया गया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद के सम्मान में स्थापित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सिफ्टल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है। भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिफ्टल की महापौर केटी विल्सन और सिफ्टल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया।

■ सिफ्टल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि शिकागो 1893 से सिफ्टल 2026 तक! ...सिफ्टल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है। विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिफ्टल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है। सिफ्टल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने सिफ्टल की 'समुद्र बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की।



■ महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है। स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक भाषण दिया था जिसके जरिए उन्होंने वैश्विक श्रौताओं को हिंदू दर्शन से परिचित कराया था।

भोजपुर-बक्सर उपचुनाव

एनडीए ने उम्मीदवार का किया एलान, आरजेडी से होगी सीधी टक्कर



हिंदमाता नेटवर्क @ आरा

भोजपुर-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए ने कन्हैया प्रसाद को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और संदेश विधायक राधाचरण साह की उपस्थिति में कन्हैया के नाम पर अपनी सहमति प्रदान की। इसके बाद औपचारिक रूप से उन्हें प्रत्याशी घोषित करने का सहमति पत्र दिया। इस फैसले को एनडीए के भीतर आपसी समन्वय और संगठन की मजबूती का संकेत माना जा रहा है।

पार्टी के प्रति जताया आभार

सीएम द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने पर संदेश विधायक ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके पुत्र कन्हैया प्रसाद पर भरोसा जताकर नेतृत्व ने क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कन्हैया पार्टी की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे और क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। वहीं, प्रत्याशी बनाए जाने पर कन्हैया प्रसाद ने सीएम समेत पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए की जीत के लिए वे कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

समर्थकों में उत्साह

कन्हैया के प्रत्याशी बनने से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह है। कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे युवा नेतृत्व की आगे बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। उनका कहना है कि कन्हैया के रूप में पार्टी को एक ऊर्जावान और सक्रिय उम्मीदवार मिला है, जो क्षेत्र की समस्याओं को बेहतर तरीके से समझते हैं। अब कन्हैया के सामने चुनावी मैदान में अपनी ताकत साबित करने की चुनौती होगी। हालांकि, पार्टी और एनडीए का मजबूत संगठन और शीर्ष नेतृत्व का समर्थन उनके पक्ष में माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रत्याशी बनाए जाने पर शुभकामनाएं और बधाई देने वालों में भाजपा नेता सह विस्कोमान अध्यक्ष विशाल सिंह, जगदीशपुर विधायक श्री भगवान कुशवाहा, पूर्व सांसद मीना सिंह, आरा महानगर अध्यक्ष जेपी चौधरी, भाजपा नेता अशोक शर्मा, गुड्डू सिंह बबुआन, जेडीयू के वरिष्ठ नेता प्रिंस बजरंगी, अभय विश्वास भट्ट समेत दर्जनों लोग शामिल हैं।

में यूएई में शीर्ष नेताओं से मिले जयशंकर, पीएम मोदी का खास संदेश पहुंचाया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एस जयशंकर ने United Arab Emirates के दौर के दौरान वहां के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और पीएम नरेंद्र मोदी का खास संदेश पहुंचाया। उन्होंने यूएई सरकार को कठिन समय में भारतीय समुदाय की मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। जयशंकर ने Mohamed bin Zayed Al Nahyan से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर भी बातचीत हुई। उन्होंने दुबई के क्राउन प्रिंस Hamdan bin Mohammed Al Maktoum और विदेश मंत्री Abdullah bin Zayed Al Nahyan से भी मुलाकात की। इन बैठकों में भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस दौर का एक बड़ा फोकस यूएई में रह रहे करीब 35 लाख भारतीयों की



तनाव को देखते हुए कूटनीतिक बातचीत और शांति प्रयासों पर जोर दिया। इस यात्रा के दौरान भारत और यूएई के बीच “Comprehensive Strategic Partnership” की और मजबूत करने की बात भी हुई। दोनों देशों ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय शांति पर सहयोग बढ़ाने की सहमति जताई।

सुरक्षा और भलाई रहा। जयशंकर ने भारतीय समुदाय से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी और उनकी भावनाएं यूएई नेतृत्व तक पहुंचाई। उन्होंने कहा कि हाल के पश्चिम एशिया के संघर्ष के दौरान भारतीयों की सुरक्षा भारत के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता रही। उन्होंने यूएई सरकार की सराहना की कि उसने इस कठिन समय में भारतीयों का ध्यान रखा। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत के पश्चिम एशिया में हबबड़े हितहू जुड़े हुए हैं, इसलिए क्षेत्र में शांति और स्थिरता बेहद जरूरी है। उन्होंने मौजूदा

हिंदमाता एंकरः 18 अप्रैल तक मिस्ड कॉल अभियान के जरिए मतदाताओं के मन में चुनावी घंटी बजाएंगी

यूपी में चुनाव से पहले भाजपा ने चला नया पैतरा, हर लोकसभा सीट पर डालेगी असर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

चुनावी मुहूर्त निकलने से पहले भाजपा आधी आबादी का आशीर्वाद प्राप्त करने निकल पड़ी है। सदन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व एक तिहाई करने का संकल्प लेकर बढ़ रही भाजपा ने नारी शक्ति वंदन अभियान की पटकथा पर चुनावी मंच सजाना शुरू कर दिया है। पार्टी 18 अप्रैल तक मिस्ड कॉल अभियान के जरिए मतदाताओं के मन में चुनावी घंटी बजाएगी। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता छात्राओं से मिलकर एक विशेष नंबर पर मिस्ड कॉल कराएंगी।



■ डाटाबैंक में 20 लाख नए नाम जुड़ेंगे, जिनके नंबरों पर पार्टी अपने अभियान एवं सरकार की उपलब्धियों का पत्र भेजती रहेगी। उनसे फीडबैक लिया जा सकेगा, साथ ही इस बहाने पार्टी संपर्क बढ़ाकर चुनावी जमीन भी मजबूत करेगी। लोक सभा एवं राज्य सभा में 16 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा, जिससे महिलाओं को सदन में एक तिहाई प्रतिनिधित्व मिलने का रास्ता खुल जाएगा। भाजपा ने इसे क्रांतिकारी उपलब्धि मानकर आधी आबादी से वोटों का रिश्ता बढ़ाने पर फोकस कर दिया है।

■ हर लोकसभा से 12500, जबकि प्रति विधान सभा से केंद्रीय इकाई द्वारा दिए गए विशेष फोन नंबर पर दवाई हजार लोगों से मिस्ड कॉल कराया जाएगा। चुनावी मोड़ में चल रही भाजपा ने ऐसे मुद्दों को प्राथमिकता पर रखा है, जिससे चुनावी गुणा गणित में सीधा फायदा हो। पिछले साल नारी शक्ति वंदन अधिनियम की रूपरेखा को लेकर भाजपा ने महिलाओं के दोस वोटबैंक पर होमवर्क किया। हाल में जिला इकाइयों के गठन में इसका असर भी दिखा, जब पार्टी ने साफ कर दिया कि एक तिहाई पद महिलाओं को दिया जाएगा।

■ पिछले दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने 11 से 18 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन अभियान निगम लागू कर दिए। कार्यक्रम की ज्यादातर जिम्मेदारी महिलाओं को दी गई है। इससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी आधार मजबूत करने में मदद मिलेगी। 13 से 15 अप्रैल के बीच नारी शक्ति दीवार के अंतर्गत सभी लोकसभा क्षेत्रों में महिलाओं एवं छात्राओं द्वारा नारी शक्ति भूखला बनाई जाएगी। जिला मुख्यालयों पर पांच हजार, कमिश्नरी पर तीन हजार एवं जिला मुख्यालयों पर दो हजार महिलाओं को एकत्रित कर दीवार पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इस आयोजन के दौरान भी बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मिस्ड कॉल अभियान के आंकड़ों को सुधारेगी।



ईरान में अब सब खत्म कर देंगे: ट्रंप की खुली धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई लंबी शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और तेज करेगा। यह बातचीत करीब 20 घंटे तक चली और इसे 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद दोनों देशों के बीच सबसे अहम बैठक माना जा रहा था। हालांकि कई मुद्दों पर सहमति बनने के बावजूद सबसे बड़ा विवाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम सुलझ नहीं सका। ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा छोड़ने को तैयार नहीं है और यहीं बातचीत टूटने की सबसे बड़ी वजह बनी।

होर्मुज को लेकर अमेरिका सख्त

डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के देशों में चिंता और अस्थिरता बढ़ी है। ट्रंप ने कहा कि अब अमेरिकी नौसेना इस जलमार्ग में आने-जाने वाले जहाजों पर नजर रखेगी और नाकेबंदी की प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो जहाज ईरान को कोई अवैध शुल्क देगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। साथ ही अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि वह समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने की कार्रवाई करेगा।

परमाणु मुद्दे पर टकराव

ट्रंप ने कहा कि बातचीत में कई मुद्दों पर प्रगति हुई, लेकिन परमाणु कार्यक्रम सबसे अहम मुद्दा था और इस पर कोई समझौता नहीं हो सका। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने यह भी बताया कि बातचीत के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों और ईरानी नेताओं मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, अब्बास अराघवी और अली व्हेरी के बीच अच्छे संबंध बने, लेकिन इससे अंतिम नतीजे पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

ईरान-अमेरिका सीजफायर में मध्यस्थता के लिए पुतिन तैयार



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में मिडिल ईस्ट में शांति प्रयासों के विफल होने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेइस्कियन से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने इस्लामाबाद में विफल ईरान-अमेरिका वार्ता पर चर्चा की। इंटरफेक्स समाचार एजेंसी के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस मध्य पूर्व में स्थायी समाधान के लिए अपनी सुविधा प्रदान करने के प्रयासों को जारी रखने को तैयार है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता चल रही है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच अभी कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। पुतिन ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और राजनीतिक समाधान पर जोर दिया। सैन्य कार्रवाई के बजाय राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से संघर्ष को सुलझाने का आह्वान किया था। पुतिन ने पहले भी जारी हिंसा और इसके व्यापक क्षेत्रीय प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है, और स्थिति को शांत करने के व्यापक प्रयासों के तहत खाड़ी देशों सहित कई पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखा है।

रूस ने यूक्रेन पर लगाया युद्धविराम तोड़ने का आरोप

मार्स्को ने रविवार को यूक्रेन पर क्रेमलिन द्वारा घोषित 32 घंटे के आथोर्डिस ईस्टर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने रूसी सैनिकों के टिकानों को निशाना बनाया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि युद्धविराम के शुरुआती 16 घंटों के दौरान यूक्रेनी सेना द्वारा लगभग दो हजार बार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया। मंत्रालय ने कहा कि ईस्टर युद्धविराम घोषित होने के बावजूद यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने पोट्रोव्स्कोये क्षेत्र से रूसी सैनिकों के टिकानों पर तीन बार हमला किया। ग्राई और डेनेप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के ओत्रादनोये बस्तियों को दो बार निशाना बनाया गया। सभी हमलों को नाकाम कर दिया गया। रक्षा मंत्रालय के रविवार के बयान में कहा गया कि 11 अप्रैल को शाम 4:00 बजे (मार्स्को समय) से 12 अप्रैल को सुबह 8:00 बजे (मार्स्को समय) के बीच यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा कुल 1,971 बार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया। रूसी सेना ने सुमी क्षेत्र में कोंझाटोव्का और नोवाया सेच के पास, साथ ही डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के कोलेनिनो के पास स्थित टिकानों की ओर बढ़ने के यूक्रेन के चार प्रयासों को भी विफल कर दिया। वहीं, यूक्रेन ने रविवार को कहा कि रूसी सेना ने शनिवार शाम से अबतक युद्धविराम का 2,299 बार उल्लंघन किया है।

हिजबुल्लाह ने इजरायली सेना पर हमलों का किया दावा

लेबनान स्थित हिजबुल्लाह संगठन ने इजरायली सेना पर दो अलग-अलग हमलों का दावा किया है। पहले हमले में हिजबुल्लाह ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के तायबेक शहर में इजरायली सैन्य वाहन को निशाना बनाया। संगठन के बयान के अनुसार, इस वाहन में कमांड टीम सवार थी और ड्रोन हमले में इसे लक्षित किया गया। दूसरे हमले में हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल के किर्यात शमोना बैरक पर कई ड्रोन दागे। संगठन ने दावा किया कि ये हमले इजरायली उल्लंघनों के जवाब में किए गए हैं।

मिडल ईस्ट तनाव के बीच चीन का बड़ा फैसला: ताइवान के लिए दिखाया प्यार, खोली उड़ानें और व्यापार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मिडल ईस्ट में तनाव के बीच चीन ने घोषणा की है कि वह ताइवान के साथ कुछ समय से रुके हुए संबंधों को फिर से शुरू करेगा। इस फैसले में सीधी उड़ानों की बहाली और ताइवान के समुद्री (मत्स्य) उत्पादों का आयात शामिल है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब ताइवान की विपक्षी पार्टी कुओमिंटान्ग के नेताओं ने हाल ही में चीन का दौरा किया। इस दौरान उनकी मुलाकात Xi Jinping से हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने शांति और संवाद बढ़ाने की बात कही। चीन ने अपने बयान में कहा कि वह ताइवान के साथ एक दीर्घकालिक संवाद तंत्र बनाने की संभावना भी तलाश रहा है, ताकि दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रह सके। इसके अलावा, चीन ने योजना बनाई है कि वह शीआन और उरुमकी जैसे शहरों से ताइवान के लिए सीधी उड़ानें फिर शुरू करेगा। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह व्यवस्था कब और कैसे लागू होगी।



रिश्ते कब बिगड़े

चीन और ताइवान के बीच संबंध 2016 के बाद से लगातार खराब होते गए। जब Tsai Ing-wen की पार्टी सत्ता में आई, तो चीन ने ताइवान सरकार के साथ अपने ज्यादातर आधिकारिक संपर्क बंद कर दिए।

- चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियां बढ़ा दीं।
- रोजाना लड़ाकू विमान और जहाज भेजने शुरू किए।
- व्यापार और यात्रा पर कई प्रतिबंध लगा दिए।

व्यापार और यात्रा पर असर

2019 में चीन ने अपने नागरिकों के ताइवान जाने पर रोक लगा दी। ताइवान ने भी सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। 2021 से चीन ने अनानास, मछली, रिव्खड, टूना जैसी चीजों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। अब चीन इन प्रतिबंधों में धीरे-धीरे ढील दे रहा है, जिससे दोनों के बीच व्यापार बढ़ सक सके हैं।

नए प्रोजेक्ट्स की योजना

चीन ने यह भी कहा है कि वह मात्सु और किनमेन द्वीपों को जोड़ने के लिए पुल बनाने पर काम करेगा। ये द्वीप ताइवान के हैं, लेकिन भौगोलिक रूप से चीन के काफी करीब हैं। हालांकि ये कदम रिश्तों में सुधार का संकेत है, लेकिन मूल विवाद अभी भी बना हुआ है कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है जबकि ताइवान खुद को स्वतंत्र और अलग शासन वाला क्षेत्र मानता है। यही वजह है कि दोनों के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

योगी सरकार पर डिंपल यादव का प्रहार

वृंदावन नाव हादसा लापरवाही का नतीजा

हिंदमाता नेटवर्क @ मथुरा समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव शनिवार को धर्मनगरी वृंदावन पहुंचीं, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर सेवायतों के सानिध्य में उन्होंने श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और मंदिर परिसर में पारंपरिक तरीके से पूजा संपन्न हुई। मंदिर के गोस्वामी समाज ने सांसद का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। उन्हें माला, प्रसादी और अंग वस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बीच पूरे आयोजन का धार्मिक वातावरण बना रहा। सांसद के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। वहीं वृंदावन पहुंचने पर सपा कार्यकर्ताओं ने भी अपनी नेता का जोरदार स्वागत किया और मंदिर दर्शन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

नाव हादसे पर जताया दुख, सरकार को दी नसीहत

दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में डिंपल यादव भावुक नजर आईं। उन्होंने वृंदावन में यमुना नदी में हुए नाव हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा के साथ वृंदावन आते हैं, लेकिन उनके साथ इस तरह का हादसा होना बेहद पीड़ादायक है। सांसद ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने हादसे के लिए व्यवस्थाओं में चूक और नावों की ओवरलोडिंग को जिम्मेदार ठहराया। उनके मुताबिक, अगर नावों में ओवरलोडिंग जारी रही तो किसी न किसी को इसका खामियाजा भुगतान पड़ेगा। डिंपल यादव ने सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि ऐसी लापरवाही दोबारा न हो, यह सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। हालांकि उन्होंने मंदिर में दर्शन की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और हाई पावर्ड कमेटी के प्रयासों को सराहनीय बताया।



कनाडा से फंडिंग, आगरा में धर्मांतरण, दाऊद अहमद पर पुलिस का बड़ा एक्शन

भोपाल का घर कुर्क करने की तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा

आगरा में चर्चित धर्मांतरण सिंडिकेट मामले में पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। इस गिरोह को फंडिंग करने के आरोप में दाऊद अहमद के खिलाफ नया मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही भोपाल स्थित उसके घर पर कुर्की का नोटिस भी चप्पा कर दिया गया है। माना जा रहा है कि आगरा पुलिस जल्द ही उसकी संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई कर सकती है। दरअसल, जुलाई 2025 में आगरा के सदर क्षेत्र से दो सगी बहनों के लापता होने के बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ था। जांच के दौरान पता चला कि दोनों बहनें एक संगठित धर्मांतरण गिरोह के संपर्क में आ गई थीं। पुलिस ने उन्हें कोलकाता से बरामद किया, जिसके बाद इस बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। इस मामले में अब तक 14 संदेश आरोपियों की



गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरोह का मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान दिल्ली में सक्रिय था, जबकि उसकी सहयोगी आयशा गोवा में रहकर नेटवर्क को संचालित कर रही थी। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि इस सिंडिकेट को विदेशों से फंडिंग मिल रही थी। कनाडा और यूएई सहित कई देशों से आर्थिक मदद

भेजी जाती थी। जांच में सामने आया कि कनाडा में रह रहा दाऊद अहमद इस फंडिंग का अहम स्रोत था, जो मूल रूप से भोपाल का निवासी है। पुलिस ने दाऊद की गिरफ्तारी के प्रयास में भोपाल में भी दबिश दी, लेकिन वह हाथ नहीं आया। अदालत के आदेश के बावजूद पेश न होने पर अब पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। भोपाल स्थित उसके आवास पर कुर्की का नोटिस चप्पा किया गया है। इसके अलावा, थाना सदर बाजार में दाऊद अहमद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 209 के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने कई लड़कियों को भी इस गिरोह के चंगुल से मुक्त कराया था। अब आगरा पुलिस इस नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए आगे भी बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है।

विधवा भाभी से शादी के दबाव ने ली जान!

मरने से पहले विशाल ने बयां किया दर्द

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर सहारनपुर में उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के फ्लाईओवर पर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय विशाल के रूप में हुई, जिसकी मौत के बाद अब मामला नया मोड़ ले चुका है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है और परिजन भी गहरे सदमे में हैं। थाना बड़गांव क्षेत्र का यह मामला है। घटना के कुछ समय बाद ही मृतक विशाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो में युवक ने अपनी मौत की वजह बताते हुए आरोप दिए हैं। परिवार के कुछ लोगों और थाना बड़गांव में तैनात दो पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए।

इनका कहना

CO देवद्वंद अमितेश सिंह ने बताया कि बीती 8 तारीख को थाना बड़ागांव क्षेत्र में एक युवक का फांसी के फंदे पर लटका हुआ शव मिला था। मरने से पहले बनाए गए वीडियो की जांच की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जबरन विवाह का दबाव

विशाल ने कहा कि उस पर जबरन अपनी विधवा भाभी से शादी करने का दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गया था। उसने आरोप लगाया कि भाभी, उसके रिश्तेदार और पुलिसकर्मी मिलकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर मौत

परिजनों के मुताबिक, 8 अप्रैल को विशाल का शव फ्लाईओवर पर लटका मिला था। मृतक की मां सुरेश देवी ने तहरीर में बताया कि बड़े बेटे प्रीतम सिंह की मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग विशाल पर उसकी भाभी से शादी करने का दबाव बना रहे थे, लेकिन विशाल इसके लिए तैयार नहीं था और भाभी को मां के समान मानता था।

धमकी का आरोप

आरोप है कि इनकार करने पर उसे धमकियां दी गईं और मारपीट भी की गई। परिवार का यह भी कहना है कि विशाल ने पहले थाना बड़गांव में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे वह और अधिक तनाव में आ गया। अब परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं।

अमेटी में अंबेडकर की मूर्ति को लेकर विवाद

12 गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ अमेठी यूपी के अमेठी जिले में आरक्षित सरकारी जमीन पर अंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर भारी बवाल हुआ। बिना किसी अनुमति के आरक्षित जमीन पर दलित समाज के लोग चबूतरा बनाकर अंबेडकर मूर्ति रख रहे थे। सूचना पर प्रशासन की टीम पहुंची और प्रतिमा को हटा कर, बवाल कर रहे 12 उपद्रवी को गिरफ्तार किया। जिले के रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नरहरपुर गांव में आरक्षित जमीन पर बिना प्रशासनिक अनुमति के अंबेडकर मूर्ति स्थापित किए जाने को लेकर रिविवार को भारी बवाल हुआ। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने रातों-रात चबूतरा बनाकर उस पर अंबेडकर की मूर्ति स्थापित कर दी, जिसकी भनक लगते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

मौके पर उपजिलाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा मूर्ति हटाने की कार्रवाई शुरू किए जाने पर मूर्ति स्थापित करने वाले पक्ष के लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और कुछ उपद्रवियों द्वारा कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की गई।

पुलिस फोर्स तैनात

स्थिति को गंभीर होते देख प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए हल्का बल प्रयोग किया और मौके पर मौजूद भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते कोई बड़ी घटना नहीं हुई। पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

12 उपद्रवी गिरफ्तार

पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और उपद्रव फैलाने के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेश सिंह ने बताया कि बिना अनुमति के आरक्षित जमीन पर अंबेडकर प्रतिमा रखी जा रही थी।

मियांपुर होगा रवींद्र

नगर, CM योगी ने बदला

इस गांव का नाम

क्या बोले लोग?

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मियांपुर गांव का नाम बदलकर रवींद्र नगर करने की घोषणा के बाद गांव के लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बांग्लादेश से आए हिंदू परिवारों को भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र वितरित किए और ऐलान किया कि अब मियांपुर को रवींद्र नगर के नाम से जाना जाएगा, जो रवींद्रनाथ टैगोर के सम्मान में रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने वर्षों तक लोगों से वोट तो लिए, लेकिन उन्हें स्वामित्व अधिकार नहीं दिए। उन्होंने कहा कि गांव का नाम मियांपुर रखकर लोगों की पहचान छिपाने की कोशिश की गई, जबकि यहां एक भी 'मिया' नहीं रहता। अब यह गांव रवींद्र नगर कहलाएगा और इसकी पहचान राष्ट्रपति के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़ी होगी। मियांपुर, लखीमपुर खीरी जिले की मोहम्मदी तहसील का एक छोटा सा गांव है, जहां मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए बंगाली भाषी हिंदू परिवार बसे थे। सरकार ने उन्हें जमीन तो दी थी, लेकिन अधिकार सीमित थे। ऐसे ही परिवार सुजानपुर, मोहनपुर ग्रांट और ग्रांट-3 में भी बसे हुए हैं। गांव के महंत मंडल, सुमंद, चित्रंजन विश्वास, किरण देवी और बिंती सहित कई ग्रामीणों ने नाम बदलने के फैसले का समर्थन किया। महंत मंडल ने कहा कि इससे गांव और यहां के लोगों को 'सही पहचान' मिली है। चित्रंजन विश्वास ने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से नाम बदलने की मांग कर रहे थे, जिसे विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाया गया। पूर्व ग्राम प्रधान वीरेंद्र नाथ बाला ने भी इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वर्षों पुरानी इच्छा अब पूरी हो गई है। वहीं दीपक विश्वास ने कहा कि गांव में मुस्लिम परिवार न होने के बावजूद 'मियांपुर' नाम अजीब लगता था, इसलिए लंबे समय से इसे बदलने की मांग की जा रही थी। विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि अधिकतर ग्रामीणों को यह भी नहीं पता था कि गांव का नाम मियांपुर कैसे पड़ा। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने यह मुद्दा मुख्यमंत्री के सामने उठाया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इस फैसले से गांव के लोगों में खुशी का माहौल है।



पुष्पा हत्याकांड में बोकारो

एसपी का बड़ा एक्शन

10 दारोगा समेत 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हिंदमाता नेटवर्क

@ बोकारो

झारखंड के बोकारो जिले में 9 महीने पहले अपहरण हुई युवती के मामले में लापरवाही बरतने पर 10 दारोगा सहित 28 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। हाई कोर्ट की सख्ती के बाद युवती कंकाल नुमा शव बरामद किया है। मामले में कार्रवाई करते हुए उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने पुलिस ने युवती का पता लगाने की जगह आरोपी के साथ जमकर पार्टी की थी। जानकारी के अनुसार, बोकारो जिले के पिंड्रजोरा थाना के तहत आने वाले खुटाडीह की रहने वाली रेखा देवी (37) ने 24 जुलाई 2025 को बेटी कुमारी पुष्पा महतो (18) के अज्ञात आरोपियों के द्वारा अपहरण किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते बीएनएस की संबंधित धाराओं केस दर्ज कर लिया। मामले की जांच के लिए SA (विशेष जांच टीम) का गठन किया गया। टीम ने निष्पक्ष जांच न करते हुए अभियुक्त का साथ दिया।

आरोपी प्रेमी अरेस्ट

काफी समय बीत जाने के बाद भी युवती और आरोपी का कहीं कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। मामले की दोबारा जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक नरम आलोक रंजन के नेतृत्व में एक नई टीम का गठन किया गया। उन्होंने एक ही दिन में मामले का खुलासा करते हुए आरोपी दिनेश महतो को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर युवती का कंकाल नुमा शव, कपड़े और हत्या के प्रयुक्त चाकू बरामद की है।

28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

जांच में सामने आया है कि करीब 28 पुलिसकर्मियों ने आरोपी की मदद की थी। आरोप है कि पुलिसकर्मी ने आरोपी मदद करने की एज में पैसे लिए थे। साथ ही उसके साथ पार्टी भी की थी। उन्होंने आम लोगों के सामने पुलिस की छवि को धूमिल करने का काम किया है। इसी के चलते पुलिस अधीक्षक बोकारो हरबिंदर सिंह ने पिंडराजोरा थानाध्यक्ष सहित 28 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है। इसमें 10 सब इंस्पेक्टर, 05 असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, 02 हवलदार, 11 आरक्षी सहित कुल 28 पुलिसकर्मी शामिल हैं।

शादी का दबाव बना हत्या की वजह

पुष्पाछ के दौरान आरोपी दिनेश महतो ने स्वीकार किया कि वह मृतका पुष्पा से साथ लगभग 3 सालों से प्रेम-प्रसंग था। पुष्पा अपने प्रेमी दिनेश पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी दबाव से नाराज होकर प्रेमी दिनेश महतो ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत 24 जुलाई 2025 को पुष्पा को चास कॉलेज के पास मिलने के बहाने बुलाया और फिर कॉलेज के पीछे की सुनसान जंगल में ले जाकर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को जंगल में छुपा दिया था। करीब 9 महीने गुजरने के बाद भी न्याय नहीं मिलने पर लापता पुष्पा के परिजन हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां कोर्ट की सख्ती के बाद बोकारो जिला पुलिस ने एक ही दिन में मामले का उद्घेदन करते हुए अभियुक्त दिनेश महतो को गिरफ्तार कर लिया।

गैंग के 7 सदस्य गिरफ्तार

मामले की जांच के बाद पुलिस ने अंकुर और राजू शर्म सहित कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास नकदी और नकली पुलिस आईकार्ड भी बरामद किए गए हैं। कथित लुटरी दुल्हन और उसकी एक साथी युवती अब भी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।



डर का माहौल बनाकर की गई लूट आरोपियों ने पूरे परिवार पर ऐसा दबाव बनाया कि पीड़ित पक्ष ने करीब 3 लाख रुपये की व्यवस्था कर उन्हें दे दिए। पैसे मिलते ही गैंग मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरे खेल में नकली रिश्तेदार बनकर आरोपी शामिल थे। कोई मौसी बनकर आया तो कोई बहन बनकर, ताकि परिवार को शक न हो

शॉर्ट स्टोरी

नीतीश कुमार कैबिनेट की आखिरी मीटिंग 14 अप्रैल को, CM पद से देंगे इस्तीफा

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई



है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार यानी 14 अप्रैल को पटना स्थित मुख्य सचिवालय में अपनी आखिरी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे और इसी दिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे पटना स्थित मुख्य सचिवालय में अपनी आखिरी कैबिनेट बैठक की करेंगे। सूत्रों का कहना है कि सचिवालय में होने वाली इस अंतिम कैबिनेट बैठक में कुछ महत्वपूर्ण औपचारिक फैसले लिए जा सकते हैं। इसीसे से पहले महापुरुषों को सम्मान देने की ये उनकी पुरानी परंपरा रही है, जिसे ये बस बार भी दोहराएंगे। बताया जा रहा है कि कैबिनेट की आखिरी बैठक खत्म होने के तुरंत बाद नीतीश कुमार राज्यपाल से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप देंगे। इसके बाद पनडिी विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें नए मुख्यमंत्री के चेहरे यानी विधानमंडल दल के नेता का चयन होगा। नए नेता का चुनाव दोपहर के बाद पनडिी की ओर से विधिवत रूप से राज्यपाल को सुनना दी जाएगी। सूत्रों की माने तो बिहार को सुबहार 15 अप्रैल को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। नए सीएम के साथ ही उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों की भी शायद लेने की संभावना है। बिहार में इस बड़े नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी उत्प्रेरकता है। नीतीश कुमार के जाने के बाद प्रदेश में सत्ता का नया समीकरण किस तरह काम करेगा, इस पर सबकी नज़रे जमी हैं। वहीं, रिविवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के उनके सरकारी आवास पहुंचे थे, जहां जेडीयू के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

पति की सर्विस रिवाँल्लर से एसआई की पत्नी ने खुद को मारी गोली!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंगेर

बिहार में मुंगेर के सफिया सराय थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर

चंदन कुमार की पत्नी मधु कुमारी ने पति की सर्विस रिवाँल्लर से खुद को गोली मार ली। इसके बाद सब इंस्पेक्टर ने पत्नी को सचाल हालत में आनन-फ़ानन में एक प्राइवेट क्लीनिक में भर्ती कराया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। जानकारों मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। फिलहाल इस पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है। सब इंस्पेक्टर चंदन की शादी मधु कुमारी से 3 साल पहले हुई थी। वह पत्नी के साथ कैंपिया सराय में किराए पर कमरा लेकर रह रहे थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद कैंपिया सराय थानाध्यक्ष सजीत कुमार ने घटना की सूचना उसी सुबह इमरान मसूद और सदर डीएसपी अभिषेक आनंद को दी। इसके बाद मौके पर कई थानों की पुलिस और अधिकारी पहुंचे और जायजा लिया। घटना की जांच के लिए एक्सपलर टीम भी मौके पर पहुंची। इसी के साथ खबर मिलते ही मृतका के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। शुरुआती जांच में मामला पति-पत्नी के विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। शनिवार सुबह दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि दोपहर तक मामला शांत हो गया, लेकिन शाम होते-होते मधु ने यह खलीफनाक कदम उठा लिया। हालांकि मृतका के परिजन अभी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर एसपी सेवद्वंद इमरान मसूद ने बताया कि सफिया सराय थाना इलाके में पदस्थ सब इंस्पेक्टर चंदन कुमार की पत्नी के द्वारा चंदन के सर्विस रिवाँल्लर से गोली मारकर सुसाइड करने की सूचना मिली थी। उन्हें इलाज के लिए एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला सर्विस रिवाँल्लर से जुड़ा है, इसलिए हर पहलू से जांच की जा रही है। एसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। मृतका के परिवार वाले भी अस्पताल पहुंच चुके हैं। शुरुआती पुष्पाछ में पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आ रही है। हालांकि पुलिस सभी पैराल पर जांच कर रही है। प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर शैलेश ने बताया कि शाम 6-30 बजे के आसपास गम शॉट का पेशेंट आया था, जिसकी मौत हो चुकी थी।

बस्ती में जाली करंसी के सिंडिकेट का पर्दाफाश 4.20 लाख के नकली नोट बरामत

हिंदमाता नेटवर्क @ बस्ती

उत्तर प्रदेश की बस्ती पुलिस ने एक बड़े अंतर्राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन वाले जाली नोटों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना वाटरगंज, स्वाट और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने 4,20,000 मूल्य के नकली नोटों के साथ पांच शांतिर जासपास को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का जाल भारत-नेपाल सीमा से सटे जिलों में फैला हुआ था, जो न केवल आम जनता को गम रहे थे बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा बने हुए थे। शनिवार को मुखबिर से मिली सूचना के तार सीमा पार के जाली नोटों के बड़े सफ़ाकारों से जुड़े हो सकते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार, यह गिरोह बेहद शांतिर तरीके से काम करता था। बैंक से बड़ी नकदी निकालने वाले किसान और मध्यम वर्गीय लोग इसके शिकार होते थे।



हिंदमाता एंकर: गोरखपुर में फर्जी शादी कराकर दूल्हे और परिवार को बंधक बनाकर 3.11 लाख रुपये वसूलने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है

दूल्हा असली, दुल्हन नकली, हिस्ट्रीशीटर के घर हुई शादी, फिर लूट

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर यूपी के गोरखपुर जिले में शादी के नाम पर संगठित ठगी और लूट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में एक ऐसे गैंग का खुलासा हुआ है, जो पहले फर्जी शादी तय कराता था और फिर नकली पुलिस बनकर परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट करता था। पुलिस ने गिरोह के 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के कोटा निवासी एक परिवार अपने बेटे की शादी के लिए रिश्ता तलाश रहा था। इसी दौरान उनकी मुलाकात हरियाणा के एक बिचौलिया से हुई, जिसने गोरखपुर की लड़की का रिश्ता दिखाया। परिवार रिश्ता पक्का करने गोरखपुर पहुंचा, जहां एक घर में पूरी शादी की रस्में कराई गईं। जमयाल तक हो गई और परिवार को भरौसा दिला दिया गया कि शादी विधिवत संपन्न हो रही है।

20 हजार में महिला बनी थी फर्जी मौसी

एसपी नार्थ ज्ञानेश्वर ने बताया कि राजस्थान के कोटा निवासी मुकेश मीणा अपने भाई ब्रह्ममोहन मीणा की शादी खोज रहे थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात हरियाणा निवासी राजू शर्मा से हुई। जिसने गोरखपुर की रहने वाली 3 लड़कियों के फोटो उन्हें भेजे और इनमें से एक पसंद आ जाने पर शादी तय करा दी।



कब हुई थी शादी?

12 मार्च को राजू मुकेश के परिवार को लेकर गोरखपुर आया और यहां हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह के घर पर शादी की रस्म हुई। लड़की अंकुर की कथित मौसी शैला देवी लेकर आई थी। जांच में पता चला कि शैला देवी ने मौसी बनने के लिए 20 हजार रुपए अंकुर से लिए थे।

जयमाल के तुरंत बाद पहुंची फर्जी पुलिस

शादी की रस्म पूरी होते ही अचानक अंकुर पुलिस की वर्दी में अपने कुछ साथियों के साथ पहुंच गया और खुद को धमका बताते हुए परिवार को घरकाना शुरू कर दिया। गैंग ने कहा कि यह शादी गलत तरीके से कराई जा रही है और सभी को जेल भेज दिया जाएगा। इसके बाद परिवार को डराकर बंधक बनाया गया और लाखों रुपये की मांग की गई।

चीन ने पीओके और अफगानिस्तान बॉर्डर के पास शिंजियांग में बना दी नई काउंटी

भारत ने कहा-इन प्रयासों से नहीं बदलेगी सच्चाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली चीन ने अपने अशांत शिंजियांग प्रांत में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और अफगानिस्तान की सीमा के निकट एक नई काउंटी (नया जिला) बना दिया है। चीन के अनुसार उसने यह कदम वाखान कॉरिडोर के संकीर्ण इलाके में सुरक्षा मजबूत करने और उइगर अलगाववादी आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए उठाया है। बीजिंग ने इस नए जिले का नाम सेनलिंग रखा है। यह काउंटी काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थित है और PoK व अफगानिस्तान की सीमा के बहुत करीब है, जिससे इसकी सामरिक महत्वता साफ झलकती है। चीन के सामरिक इरादों को भांप कर भारत ने सख्त रिपेक्शन दिया है और कहा है कि बीजिंग के इन प्रयासों से सच्चाई नहीं बदलेगी।

थोड़े ही समय में चीन ने बनाई तीसरी काउंटी

इन इलाकों में चीन तेजी से बस्तियां बसा रहा है। चीन द्वारा यह एक साल से थोड़े अधिक समय में शिंजियांग में स्थापित किया गया तीसरा नया जिला है। शिंजियांग मुख्य रूप से मुस्लिम उइगर बहुल क्षेत्र है। भारत ने पिछले साल चीन द्वारा बनाए गए हेन और हेकंग जिलों के निर्माण पर भी आपत्ति जताई थी। भारत ने कहा था कि इन जिलों का कुछ हिस्सा उसके संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख में आता है। हेन जिले में विवादित अवसाई चिन पटार का बड़ा हिस्सा शामिल है, जो 1962 के युद्ध में चीन द्वारा कब्जा किए गए लद्दाख का हिस्सा है और भारत-चीन सीमा विवाद का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

कागजी शेर हैं एर्दोगन इजराइली नेताओं ने तुर्किए पर जमकर क्यों बोला हमला?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान इजराइली नेताओं ने तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन पर जमकर हमला बोला। दरअसल, तुर्किए में अभियोजकों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 35 टॉप अधिकारियों के खिलाफ अभियोग दायर किए हैं। इसमें उन्होंने 4,500 साल से ज्यादा की जेल की सजा की मांग भी की है इसके जवाब में नेतन्याहू ने एर्दोगन पर अपने ही देश में कुर्दों का नरसंहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि मेरे नेतृत्व में इजराइल के आतंकी शासन और उसके सहयोगियों से लड़ना जारी रखेगा। एर्दोगन के विपरीत, जो उन्हें शरण दे रहे हैं और अपने ही कुर्द नागरिकों का नरसंहार कर रहे हैं। तुर्किए की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभियोजक नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इजराइल काटज़, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन निवर और IDF के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल गमीन पर अपने ही अधिकारियों के लिए कुल मिलाकर 4,596 साल तक की जेल की सजा की मांग कर रहे हैं। उन पर मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार का आरोप है, साथ ही 2025 में ‘सुमुद फ्लोटिला’ को गाजा पहुंचने से रोकने और उत्पन्न प्रतिभाषियों के साथ दुर्व्यवहार करने का भी आरोप है।

ईरान के खिलाफ नहीं खत्म हुआ अभियान, उसके पास अब भी 400 किलोग्राम यूरेनियम

नेतन्याहू की नई धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करने का दावा करते हुए शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें नेतन्याहू ने कहा, ‘अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। इजराइल ने ईरान की परमाणु महत्वकांक्षाओं को नाकाम कर दिया है। नेतन्याहू ने हिब्रू भाषा में जारी वीडियो में कहा, ‘ईरान के खिलाफ अभियान खत्म नहीं हुआ है, हमें अभी और काम करना है। लेकिन अब भी यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।’

परमाणु हथियार बनाने के करीब था ईरान उन्होंने कहा, ‘हमने यह अभियान इसलिए शुरू किया, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब था और प्रतिदिन सैकड़ों मिसाइलें बनाने की क्षमता रखता था। ये दो बड़े खतरे थे, जिन्हें हमें अपने सिर से हटाना था।’

हिंदमाता एंकर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता हुई थी, लेकिन बातचीत का कोई परिणाम नहीं निकला

‘अच्छी नीयत’ के बावजूद भरोसा हासिल करने में नाकाम रहा अमेरिका, वार्ता फेल पर बोले ईरानी स्पीकर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेरा गालिबफ ने कहा कि हाल की बातचीत के दौरान अमेरिका ईरान का भरोसा हासिल करने में नाकाम रहा, जबकि उन्होंने इसे तेहरान की अच्छी नीयत से बातचीत करने की इच्छा बताया। रविवार को सोशल साइट एक्स पर कई पोस्ट में, गालिबफ ने कहा कि ईरान ने जरूरी अच्छी नीयत और इच्छा के साथ बातचीत शुरू की, लेकिन पिछले झगड़ों की वजह से शक बना रहा। उन्होंने कहा, पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से, हमें दूसरी तरफ वाले पर कोई भरोसा नहीं है, और कहा कि ईरानी डेलीगेशन के रखे गए प्रस्तावों से आखिरकार कोई तत्वकी नहीं हुई। बता दें कि शनिवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता हुई थी, लेकिन बातचीत का कोई परिणाम नहीं निकला। दोनों देशों के बीच जंग शुरू होने और सीजफायर के बाद यह पहली बातचीत थी।

21 घंटे तक चली बातचीत, गतिरोध कायम लगभग 21 घंटे तक चली बातचीत में कोई समझौता नहीं हो सका, दोनों पक्ष मतभेदों को दूर नहीं कर पाए, खासकर ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर दोनों देशों में गतिरोध बना रहा गालिबफ ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स के सामने अब एक विकल्प है। उन्होंने कहा, अमेरिका ने हमारे लॉजिक और प्रिंसिपल्स को समझ लिया है, और अब यह तय करने का समय है कि वह हमारा भरोसा जीत सकता है या नहीं। उन्होंने बातचीत को डिप्लोमेसी और मिलिट्री प्रेशर को मिलाने वाली एक बड़ी स्ट्रेटेजी का हिस्सा बताया। गालिबफ ने कहा, हम हर कदम को ईरानी देश के अधिकारों को बनाए रखने के लिए मिलिट्री लड़ाई के साथ डिप्लोमेसी का एक और तरीका मानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान अपनी नेशनल डिफेंस की उपलब्धियों को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखेगा।

गालिबफ ने पाकिस्तान को सराहा गालिबफ ने बातचीत में मदद करने के लिए पाकिस्तान को भी धन्यवाद दिया और उस एक दोस्ताना और भाईवारा वाला देश बताया। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर में अहम भूमिका निभाई, जो हफ्तों की लड़ाई के बाद इस महीने की शुरुआत में लागू हुआ। इस सीजफायर में हमलों पर कर्फ और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना शामिल था, जो एक जरूरी लॉजल शिपिंग रूट है। सीजफायर के बावजूद, तनाव बना हुआ है, दोनों पक्ष लगातार बयानबाजी कर रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि मतभेद अभी भी सुलझे नहीं हैं। गालिबफ ने बातचीत के बाद ईरानी जनता और बातचीत करने वाली टीम की तारीफ की, जिसे उन्होंने इटेंस बताया।

क्या है लीबिया मॉडल जो ईरान से चाहता है अमेरिका

इस्लामाबाद से लौटा खाली हाथ



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में चलने वाली शांति वार्ता USA की अवैध मांगों की वजह से फेल हो गई। ये बयान ईरान के विदेश मंत्रालय की तरफ से सामने आया। 21 घंटे तक चलने वाली बातचीत का कोई नतीजा क्यों नहीं निकला? आखिर इस्लामाबाद से अमेरिका को खाली हाथ वापस फिर से क्यों जाना पड़ा? इन सवालों को जवाब है वो लीबिया मॉडल, जिसे अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लागू करना चाहता है। ये मॉडल ईरान को पूरी तरह से पंगु बना देगा, जिसका नतीजा उसके लिए भयानक हो सकता है। ये एक ऐसी रणनीति है जिसका मकसद सैन्य बल के बजाय कूटनीतिक दबाव के जरिए तेहरान की परमाणु क्षमताओं को खत्म करना है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मीडिया से कहा था कि वह ईरान के साथ 2003 में लीबिया के साथ हुए समझौते जैसा ही एक समझौता करना चाहते हैं। अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर टॉम कॉटन की पहले बयानों से नेतन्याहू का बयान मेल खाता है। इसी समझौते के तहत लीबिया की राजधानी त्रिपोली ने अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह और हमेशा के लिए खत्म कर दिया था।

अमेरिका का ‘लीबिया मॉडल’ क्या है?

अगर ईरान, अमेरिका के लीबिया मॉडल को मान लेता है तो उसे परमाणु कार्यक्रम को खुद से बंद करना होगा। ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम और हथियारों का पूरी तरह से सरेंडर करना होगा। ईरान को भविष्य में कभी भी फिर से परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति नहीं होगी। लीबिया मॉडल के तहत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के द्वारा निरीक्षण की अनुमति होगी। यानी ईरान में से होकर गुजरता हो रहा है या नहीं इसको लेकर वह अंतरराष्ट्रीय संगठन जाकर निरीक्षण कर सकते हैं।

अमेरिका के आगे नहीं झुका ईरान तो होगी नौसैनिक नाकाबंदी

ट्रंप ने शेरार किया प्लान, वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी ऐसे बनाया था पंगु

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन अमेरिका और ईरान के बीच फेल हुई शांति वार्ता के बाद ईरान ने अमेरिका के सामने झुकने से मना कर दिया है। ऐसे में सबकी निगाहें दोनों देशों के आने वाले कदम पर हैं। इस्लामाबाद में US-ईरान बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म होने के बाद अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दृष्ट सोशल प्लेटफॉर्म पर एक आर्टिकल शेयर किया है। इस आर्टिकल में कहा गया है कि अगर ईरान US की मांगें मानने से इनकार करता है, तो ट्रंप उस पर नौसैनिक नाकाबंदी लगा सकते हैं। ट्रंप समर्थक मीडिया आउटलेट ‘Just the News’ के इस आर्टिकल का शीर्षक है। आर्टिकल के मुताबिक, अगर ईरान नहीं झुकता, तो राष्ट्रपति के पास ट्रंप कार्ड हैं। ट्रंप ने आर्टिकल में बताया कि एक नौसैनिक नाकाबंदी है, इसमें कहा गया है कि इस नाकाबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह टप हो जाएगी और उसके सहयोगी देशों, चीन और भारत पर भी दबाव पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि ये ईरान से होने वाले तेल निर्यात पर निर्भर हैं। आर्टिकल में यह भी कहा गया है कि ट्रंप का यह कदम उनकी सफल नाकाबंदी रणनीति को दोहराने जैसा होगा। ट्रंप ने आर्टिकल में बताया कि इससे पहले जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को US द्वारा पकड़े जाने से पहले एक नौसैनिक नाकाबंदी ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया था।

सर्वशक्तिमान होने के भ्रम से ईरान युद्ध को मिला बढ़ावा पोप लियो ने ट्रंप पर किया तंज

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन पोप लियो 14वें ने कहा कि सर्वशक्तिमान होने के भ्रम के कारण अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं को शांति कायम करने के लिए मिलकर बातचीत करनी चाहिए। लियो ने सेंट पीटर विधार्थिका में शाम की प्रार्थना सभा के दौरान यह बात कही। बता दें, युद्धविराम के बीच शनिवार को ही अमेरिका और ईरान ने पाकिस्तान में आमने-सामने बातचीत शुरू की। अमेरिका में जन्मे इतिहास के पहले पोप ने बातचीत की घोषणा होने से पहले से प्रतिश्रुति इस सभा के दौरान अमेरिका या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया, लेकिन लियो के लहजे और संदेश से ऐसा प्रतीत हुआ कि उनका इशारा ट्रंप और अमेरिकी अधिकारियों की ओर था, जिन्होंने अमेरिकी सैन्य श्रेष्ठता का दावा किया है और युद्ध को धार्मिक आधारों पर उचित ठहराया है। लियो ने कहा कि खुद और पैसे की पूजा अब बंद होनी चाहिए। शक्ति प्रदर्शन अब बंद होना चाहिए। युद्ध अब खत्म होना चाहिए।

अमेरिकी और ईरान में बातचीत

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पाकिस्तान में शीर्ष ईरानी वार्ताकारों के साथ आमने-सामने की बातचीत की। इस बातचीत का मकसद पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक स्थायी शांति समझौते पर पहुंचना है। युद्ध की वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है।

कहां तक पहुंची बातचीत?

पाकिस्तान के सरकारी चैनल ने बताया कि ईरान और अमेरिका के अधिकारी ऐतिहासिक शांति वार्ता के लिए आमने-सामने बैठे। हालांकि बातचीत में क्या हुआ यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

बिजनेस वर्ल्ड

विजय सेल्स की ‘एप्पल डेज सेल’ शुरू , शानदार डील्स और एक्सचेंज बोनस

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन, विजय सेल्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एप्पल डेज सेल की वापसी की घोषणा कर दी है। यह सेल 160 से अधिक रिटेल आउटलेट्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विजयसेल्स डॉटकॉम पर शुरू हो गई है। यह विशेष सेल, जिसके 16 अप्रैल, 2026 तक समाप्त होने की उम्मीद है, नए आईफोन, आईपैड, मैकबुक, एयरपॉड्स और अन्य एप्पल उत्पादों पर शानदार डील्स पेश करेगी। इस सेल का उत्सव 15 अप्रैल 2026 को चरम पर होगा, जब विजय सेल्स एप्पल वॉच सीरीज 11 और SE (3rd Gen) जैसे विपरेवेल प्रोडक्ट्स पर खास कीमतों का ऐलान करेगा। सामान्य छूट से आगे बढ़ते हुए, ‘एप्पल डेज’ का यह एडिशन ग्राहकों को एप्पल प्रोडक्ट्स पर आकर्षक कीमतें, बेहतर अपग्रेड विकल्प और अतिरिक्त फायदे देता है। इससे एप्पल उत्पाद खरीदना या अपग्रेड करना अब पहले से ज्यादा आसान और फायदे का सौदा बन गया है। सेल के दौरान ग्राहक नए आईफोन मॉडल्स— आईफोन 17, आईफोन 17E, आईफोन 17 प्रो, आईफोन 17 प्रो मैक्स और आईफोन एयर —पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही आईफोन 16, आईफोन 16 प्लस, आईफोन 16E और आईफोन 15 जैसे पुराने मॉडल भी उपलब्ध हैं। इन सभी डिवाइसेस पर ऐक्सस, आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक काइड्स के जरिए तुरंत 4,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। वहीं, एक्सचेंज ऑफर के तहत ग्राहकों को 10,000 रुपये तक का अतिरिक्त फायदा भी मिल सकता है। यह सेल एप्पल के वायरफुल कंप्यूटर प्रोडक्ट्स पर भी लागू है, जिसमें नया मैकबुक निनो, मैकबुक एयर और मैकबुक प्रो शामिल हैं। मैकबुक निनो की शुरुआती कीमत 60,290 रुपये है, जबकि 13 इंच और 15 इंच में उपलब्ध मैकबुक एयर 1,03,290 रुपये से शुरू होती है। मैकबुक प्रो, जो प्रो-लेवल परफॉर्मंस देता है, 1,75,390 रुपये से शुरू होता है। इन सभी मैकबुक मॉडल्स पर ऐक्सस, आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक काइड्स के जरिए 7,000 रुपये तक की तुरंत छूट मिल रही है।

एनर्जी क्रंच के बीच नई पार्टनरशिप, बांग्लादेश के काम आएगी भारत की रिफाइनिंग पॉवर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बांग्लादेश एक ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रहा है जिसके तहत वह रूसी कच्चे तेल को भारत में रिफाइन करवाया और फिर उस रिफाईंड पेट्रुल को इंपोर्ट करेगा। ऐसा करके वह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खालाई में आई रुकावटों से निपटना चाहता है। इस योजना के तहत, जिस पर अभी विचार चल रहा है, कच्चे तेल के इंपोर्ट, भारत में उसकी रिफाइनिंग और फिर रिफाईंड पेट्रुल के ट्रांसपोर्ट का पूरा खर्च बांग्लादेश ही उठाएगा। ईटी की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इस सप्ताह बांग्लादेश के ऊर्जा और खनिज संसाधन विभाग ने इस संबंध में बिजली और ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन मसहूर टुकू को एक प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव में विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर ‘सरकार-से-सरकार’ (G2G) लेवल का समझौता करने की अनुमति मांगी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चट्टागम में स्थित बांग्लादेश की एकमात्र सरकारी रिफाइनरी रूसी कच्चे तेल को रिफाइन करने के लिए ज्यादा उपयुक्त नहीं है। रूसी कच्चा तेल ज्यादातर ‘हेवी ग्रेड’ (भारी श्रेणी) का होता है, जिसके कारण बांग्लादेश को रिफाईंड पेट्रुल के इंपोर्ट पर ही पूरी तरह निर्भर रहना पड़ता है। इस रिफाइनरी की वार्षिक क्षमता 1.5 मिलियन टन है और इसे मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट देशों से आने वाले कच्चे तेल को रिफाइन करने के लिए ही तैयार किया गया है। इस सप्ताह बांग्लादेश के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान, भारत से डीजल का आयात बढ़ाने का मुद्दा एजेंडे में सबसे ऊपर रहा। बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बनाए हुए है। इसके लिए सिलीगुड़ी से लेकर दिनाजपुर के पार्वतीपुर तक एक सीमा-पार डीजल पाइपलाइन बिछाई गई है। यह पाइपलाइन ‘गुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड’ से डीजल आयात करने में सहायक है। इस इंपोर्ट के लिए वर्ष 2023 में दोनों देशों के बीच 15 साल का एक समझौता हुआ था। रूसी तेल के निर्यात में अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में मिली अस्थायी छूट के कारण, बांग्लादेश को ‘इनडायरेक्ट इंपोर्ट’ के विकल्पों को तलाशने का एक सीमित अवसर मिल गया है। करीब दो हफ्ते पहले मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि बांग्लादेश, रूस से 600,000 टन तक डीजल आयात करने का प्रस्ताव भी रख रहा है। पिछले महीने, बांग्लादेश में रूस के राजदूत अलेक्जेंडर खोजिन ने बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्री इकबाल हसन मसहूर टुकू से मुलाकात की थी।

बिजली बिल बढ़ने से रोकेगा कोल इंडिया! कोयले की कीमत पर लिया बड़ा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

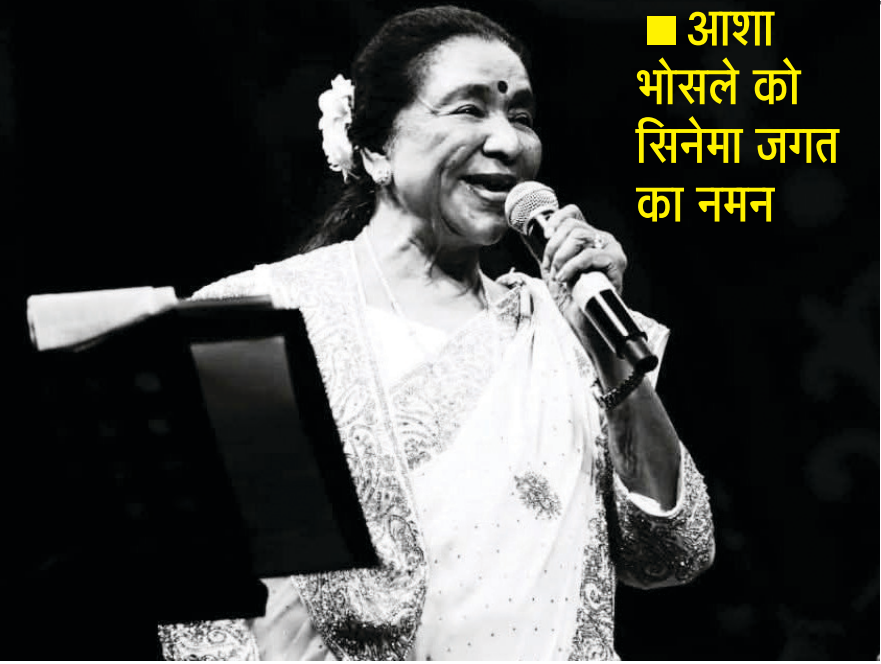
सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड, कंजूसम को कोयले की बढ़ती कीमतों से बचाने के लिए इनपुट कॉस्ट में हो रही बढ़तीरी का बोझ खुद उठा रही है। ऐसा तब हो रहा है, जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विस्फोटक और औद्योगिक डीजल जैसे जरूरी इनपुट की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। कंपनी ने कहा कि उसने इस बड़ी हुई कॉस्ट का बोझ कंजूसम पर न डालने का फैसला किया है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा किया गया, तो कोयले पर निर्भर दूसरे सेक्टरों को भी इसका बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा, कंपनी अपनी खदानों में काम करने वाले ठेकेदारों को भी डीजल की बढ़ी हुई कीमतों की भरपाई कर रही है। अमोनियम नाइट्रेट की कीमते—जो औशनफास्ट माइनिंग (खुली खदानों में खुदाई) में इस्तेमाल होने वाले कुल ऑपरेटिंग को लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होती हैं—1 अप्रैल तक युद्ध से पहले के स्तर की तुलना में 44 प्रतिशत बढ़कर 72,750 रुपए प्रति टन हो गई हैं। इसके चलते मार्च के आखिर तक विस्फोटकों की औसत लागत लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर 49,800 रुपए प्रति टन के करीब पहुंच गई हैं। कोल इंडिया की सहायक कंपनियां हर साल लगभग 0.9 मिलियन टन विस्फोटकों का इस्तेमाल करती हैं। कंपनी ने बताया कि इस पूरी लागत का बोझ कोल इंडिया खुद उठा रही है। डीजल की कीमते भी तेजी से बढ़ी हैं। मार्च के मध्य में जो कीमत लगभग 92 रुपए प्रति लीटर थी, वह लगभग 54 प्रतिशत बढ़कर 142 रुपए प्रति लीटर हो गई है। मार्च 2026 में समाप्त हुए वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने लगभग 4,19,000 किलोलीटर डीजल का इस्तेमाल किया। कॉस्ट का दबाव होने के बावजूद, कोल इंडिया ने कोयले की आपूर्ति को किफायती बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें चुनिंदा ई-नीलाभिमा में रिजर्व प्रॉड्स को काम करना, नीलाभी की आपूर्ति बढ़ाना और बाजार में कोयले की अधिक मात्रा उपलब्ध कराना शामिल है। इन उपायों का उद्देश्य कोयले पर निर्भर उद्योगों और उपभोक्ताओं को ऊर्जा की बढ़ती लागत के बुरे असर से बचाना है। कंपनी का लक्ष्य है कि ईंधन बाजारों में व्यापक उरण-चढ़ाव के बावजूद कोयले की कीमतों को स्थिर बनाए रखा जाए। अधिकारियों ने बताया कि अगर बढ़ती कीमतों का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला गया, तो इसका असर एक के बाद एक कई सेक्टरों पर पड़ेगा।

घर खरीदारों को बड़ी राहत, NCLAT के इस नियम से दूर हुई सबसे बड़ी चिंता!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अपना घर खरीदना हर इंसान का एक बड़ा सपना होता है। लेकिन, कई बार बिल्डर के दिवालिया होने की खबरें इस सपने को खोफ में बदल देती हैं। एक बड़ा सवाल हमेशा बना रहता था कि अगर किसी रियल एस्टेट कंपनी का एक प्रोजेक्ट दिवालिया प्रक्रिया (Insolvency) में जाता है, तो क्या उस कंपनी के बाकी सभी सुरक्षित प्रोजेक्ट्स भी इस कानूनी पड़ने में फंस जायेंगे? नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (NCLAT) ने इस अहम सवाल पर स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी है। ट्रिब्यूनल ने अपने एक हालिया फैसले में स्पष्ट किया है कि दिवालिया कार्यवाही सिर्फ उसी काल प्रोजेक्ट तक सीमित रहेगी, जिसमें बिल्डर ने डिफॉल्ट किया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने बहुत ही व्यावहारिक रुख अपनाते हुए कहा है कि किसी एक प्रोजेक्ट में हुई गड़बड़ी की सजा पूरी रियल एस्टेट कंपनी और उसके अन्य प्रोजेक्ट्स के खरीदारों को नहीं दी जा सकती। अगर किसी एक हाउसिंग सोसायटी में नित्तीय लेनदारों या घर खरीदारों ने बिल्डर के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करवाई है, तो यह ‘कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रजोल्यूशन प्रोसेस’ (CIRP) केवल उसी प्रोजेक्ट के दायरे में रहेगी। NCLAT की दो सदस्यीय पीठ, जिसमें चेयरपर्सन जस्टिस अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) वरुण मित्रा शामिल हैं, ने साफ किया कि असंबद्ध प्रोजेक्ट्स को बेवजह खतरे में डालना किसी भी नजरिए से हितवादी के लिए फायदेमंद नहीं है। यह महत्वपूर्ण फैसला नवीन एम। राहजा की एक अपील पर सुनवाई कर रहे हुए आया है। मामले की तह में जाएं तो 21 अगस्त 2025 को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) की नई दिल्ली बेंच ने ‘राहेजा कृष्णा हाउसिंग स्कमी’ के कई प्लैट खरीदारों की याचिका को रसीक कर लिया था। इसके खिलाफ NCLAT में अपील की गई थी। अपीलेंट ट्रिब्यूनल ने अब अंतिम आदेश दिया है कि राहेजा डेवलपर्स के खिलाफ चल रही दिवालिया प्रक्रिया पूरे गुप्त पर लागू न होकर सिर्फ ‘कृष्णा हाउसिंग स्कमी’ तक ही सीमित रहेगी। आएको बता दें कि पिछले महीने ही ट्रिब्यूनल ने राहेजा गुप्त के एक अन्य प्रोजेक्ट ‘राहेजा शिलास’ को लेकर भी बिल्कुल ऐसा ही फैसला सुनाया था और उसी फैसले को इस मामले में भी आधार बनाया गया है।

08 आज एक ‘आसमान’ ने जमीन छोड़ दी...



■ आशा भोसले को सिनेमा जगत का नमन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
बॉलीवुड की लेजेंड्री सिंगर आशा भोसले ने 92 की उम्र में हमेशा के लिए अपनी आखें मूंद ली हैं। वो अपने पीछे एक लंबी विरासत छोड़ गई हैं। उनके साथ जैसे सुरों का एक पूरा युग खामोश हो गया। वो आवाज, जिसने दशकों तक हर एहसास को शब्द दिए- चाहे वो प्यार हो, दर्द हो, झारारत हो या जश्न, हमेशा के लिए धम गई है। आशा ताई संवकी चहेती थीं। आशा ताई का जाना देशभर के लिए बड़ी क्षति है। बॉलीवुड जगत से तमाम लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके साथ बित्ताए आखिरी पल याद कर रहे हैं। अक्षय कुमार ने आशा के साथ एक श्रौबैक तस्वीर शेयर की और लिखा कि उनकी सुरीली आवाज हमेशा अमर रहेगी।

■ मनोज मुंतशिर ने एक कविता के जरिए आशा भोसले को ट्रिब्यूट दिया। उन्होंने लिखा कि कुछ लोग यूं बुलंद थे कि दारस्तान हो गए, पैदा हुए जमीन पर और आसमान हो गए। आज एक आसमान ने ये जमीन छोड़ दी। आप बहुत याद आयेगी ताई। ओम शांति! फिल्म मेकर कण जौहर ने लिखा कि ये कहना कि हमने आज एक लेजेंड को खो दिया, बहुत छोटा होगा। आशा जी जैसी कोई दूसरी नहीं थी- उनकी आवाज सिर्फ एक पीढ़ी ही नहीं, बल्कि पूरे सिनेमा के दौर को परिभाषित करती थी। मैं हमेशा से उनकी आवाज, उनकी कला और उनकी शक्तियत का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। आशा जी, आका संगीत हमेशा जिंदा रहेगा और हम खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि हमें आपका जादू महसूस

■ जॉनी लीवर की बेटी कॉमिडियन जेमी लीवर जो आशा भोसले की नकल के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने दुख जाहिर किया। सोशल मीडिया पोस्ट कर लिखा कि मेरा दिल बहुत भारी है ये लिखते हुए। मैं हमेशा से उनकी कला की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। अपने साफर के दौरान मैं उनकी आवाज और अंदाज से बहुत प्रेरित हुई। उनकी गायकी से मैं इतनी प्रभावित थी कि मैं खुद-ब-खुद उनकी तरह गाने की कोशिश करने लगी। लोग मेरी आवाज की समानता (इमिटेशन) को पसंद करते हैं, लेकिन सच तो यही है कि आशा जी जैसी सिर्फ एक ही हो सकती हैं। उन्हें षण्मुखानंद हॉल में लाइव देखना मेरे लिए कभी न भूलने वाला पल था। उस समय भी उनकी आवाज, उनका आकर्षण और उनकी ऊर्जा ने पूरे मंच को रोशन कर दिया था और मैं उनकी और भी बड़ी फैन बन गई। मैं हमेशा उनसे मिलना चाहती थी, लेकिन अब वो संभव नहीं हो पाएगा। वो शायद मेरे गाल खींचती, एक थपड़ भी मार देती या प्यार से 'पागल लड़की' कहती और मैं ये सब खुशी-खुशी स्वीकार करती। जैसा कि मैं पहले भी कह चुकी हूं कि आप हैं तो हम हैं। मैं जो भी हूँ, उसमें एक हिस्सा 'छोटी आशा जी' का है, जो उन्हीं की वजह से है।

करने का मौका मिला। रवीना टंडन ने भी आशा भोसले को याद किया और कहा कि ये क्षति कभी भर नहीं सकती। बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा हेमा मालिनी आशा ताई को याद किया और लिखा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि दिग्गज सिंगर नहीं रही। काजोल ने सिंगर को याद करते हुए कहा कि वो हमेशा से लेजेंड थीं। वहीं सुशांत दिवगीकर ने लिखा कि शांति से अपनी ताकत में आराम कीजिए मेरी क्वीन। सुधांशु पांडे ने दिग्गज सिंगर के साथ एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की और उन्हें नम आंखों से याद किया। आज सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक एहसास हमसे दूर चला गया है। लेकिन उनकी आवाज, उनके गाने हमेशा हमारे साथ रहेंगे।

खाने की शौकीन थीं आशा भोसले, दुनिया के 10 देशों में खोले रेस्टोरेंट

बॉलीवुड की 'सुरों की मल्लिका' आशा भोसले खाने की भी शौकीन थीं और दुनियाभर में करीब 10 रेस्टोरेंट की मालिकान थीं। आशा भोसले ने दुबई में अपने नाम से एक इंडियन रेस्टोरेंट खोला, जहां वो अपने मेहमानों को उनका पसंदीदा इंडियन खाना ऑफर करती थीं। सिंगर ने एक बार कली टेलस के यूट्यूब चैनल पर बताया था कि उनके दुनियाभर में 10 रेस्टोरेंट हैं। आशा भोसले ने कहा था कि दुबई के अलावा लंदन, मैनचेस्टर में एक-एक रेस्टोरेंट हैं। बर्मिंघम में दो हैं। कुवैत में हमारे पांच रेस्टोरेंट हैं। दोहा, कतर, बाहरेन, अबु धाबी जैसे मिडल ईस्ट देशों में भी रेस्टोरेंट्स हैं। आशा जी ने इसी बातचीत में ये भी बताया था कि उन्हें शेफ कोट पहनना बेहद पसंद था। उन्हें ये पहनकर ऐसा लगता है, जैसे वो कोई खूबसूरत की ड्रेस पहन चुकी हैं। सिंगर ने ये भी बताया था कि उन्हें कैसे रेस्टोरेंट खोलने का ख्याल आया। आशा भोसले ने कहा कि मैं दुबई आती रहती हूं। मेरा बेटा आनंद भोसले यही रहता है, ये रेस्टोरेंट खोलने का आइडिया भी उसी का था। जब वो छोटा था, तब मैं अपने काम से लौटती थी और वो खाना खाने की जिद करता था। मैं उसके लिए अपने हाथों से खाना बनाती थी और फिर वो मुझसे कहता कि यां जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब तुम्हारे नाम से रेस्टोरेंट खोलूंगा। उसमें खाना तुम्हारा होगा। सिंगर ने बताया कि उन्होंने खाना बनाना दूसरों से सीखा। वो दिन- रात काम में लगी रहती थीं, मगर तब भी खाना बनाने और खिलाने का शौक रखती थीं।

दैनिक ठाणे, सोमवार 13 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

आशा भोसले ने 20 भाषाओं में गाए थे 11000 से ज्यादा गाने, गिनीज बुक में दर्ज है नाम

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के लेजेंडरी सिंगर्स में आशा भोसले का नाम भी आता है। 40 के दशक से संगीत जगत का हिस्सा रही आशा, उन सितारों में से एक हैं जो आज भी म्यूजिक लवर्स के दिलों पर राज करते हैं। आशा भोसले ने महज 16 साल की उम्र में अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। लो बजट फिल्मों में गाना गाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड के लेजेंडरी म्यूजिक कम्पोजर्स के साथ काम किया। वक्त के साथ उन्होंने अपने गाने के स्टाइल में बड़े बदलाव भी किए। इसी के साथ वो इंडस्ट्री की सबसे वरसटाइल कलाकारों की लिस्ट में शामिल हुईं। अपनी मधुर आवाज के चलते आज भी आशा भोसले को एक अलग मुकाम हासिल है। आशा भोसले को 11 अप्रैल को उनकी तबीयत खराब होने के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 12 अप्रैल को उनका निधन हो गया है। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया था कि उन्हें वेस्ट इंफेक्शन और थकान है। जनाई ने सभी से आशा और उनके परिवार की प्राइवसी का ख्याल रखने को कहा था।



बहन लता मंगेशकर संग कैसा था रिश्ता?

आशा भोसले और लता मंगेशकर दोनों बॉलीवुड इंडस्ट्री की 'सुरों की मल्लिका' कही जाती हैं। एक भारत रत्न से सम्मानित, तो दूसरी पद्म विभूषण से सम्मानित। आशा भोसले का अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर संग रिश्ता हमेशा काफी अच्छा रहा। उनके बीच मुश्किलें तभी पैदा हुईं, जब आशा भोसले ने अचानक 16 साल की उम्र में शादी का फैसला लिया। लेकिन जब सिंगर ने अपने बेटे हेमंत भोसले को जन्म दिया, तब परिवार के बीच हुए सभी झगड़े सुलझ गए। आशा भोसले और उनकी बहन लता मंगेशकर पर्सनली काफी अच्छा रिश्ता शेयर करती थीं। मगर प्रोफेशनली, दोनों में एक किस्म की राइबलरी भी थी। हालांकि उनके गाने हमेशा एक-दूसरे से अलग रहे।

क्रिकेट की भी बड़ी मुरीद थीं आशा ताई, सचिन से था दिल का रिश्ता

सिर्फ संगीत ही नहीं, बल्कि आशा ताई का क्रिकेट से भी खास कनेक्शन रहा। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंडुलकर को आशा भोसले अपने बेटे जैसा मानती थीं। सचिन तेंडुलकर और दिग्गज गायिका आशा भोसले के बीच एक बेहद खास और गहरा रिश्ता रहा। आशा ताई न केवल सचिन का बहुत सम्मान करती हैं, बल्कि उन्हें अपने सगे बेटे की तरह प्यार भी देती थीं। साल 2023 में इन दोनों दिग्गजों की खास मुलाकात हुई थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुई थीं। सचिन ने उन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए आशा ताई के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया था। सचिन ने लिखा था कि चाहे गाना हो या एक साधारण बातचीत, आशा ताई को सुनना हमेशा जादुई होता है। उनके पास समय की अद्विभूत समझ और गजब का सेंस ऑफ ह्यूमर है। आशा ताई, आप जहां भी जाएं, हमेशा खुशियां फैलाती रहें। उनके इस पोस्ट पर आशा भोसले ने जो लिखा था उसने करोड़ों फैंस का दिल जीत लिया था। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा था कि एक शाम ऐसे व्यक्ति के साथ बीती जिसकी मैं इज्जत तो करती ही हूं, लेकिन अपने बेटे की तरह प्यार भी करती हूं।



क्यों आशा भोसले ने बदला स्टाइल?

एक पुराने इंटरव्यू में आशा भोसले ने बताया था कि करियर के शुरुआती दिनों में उनकी आवाज भी लता मंगेशकर जैसी ही लगती थी। ऐसे में फिल्म प्रोडक्शन से जुड़ा एक शख्स कन्स्यूज हो गया था। आशा ने कहा था कि मैं संगीतकारों के परिवार से आती हूं। मेरे पिता से लेकर बहनो तक सब सिंगर हैं। मेरी आवाज दीदी (लता मंगेशकर) से मिलती जुलती थी। शुरुआत में जब मैं गाती थी तो मेरी आवाज दीदी जैसी ही निकलती थी। एक बार एक शख्स ने मुझे कॉल किया। उन दिनों म्यूजिक रिकॉर्ड्स पर एक्टर्स के नाम लिखे जाते थे सिंगर्स के नहीं। तो उस फिल्म में आशा (पारेख) एक्टर थीं। उस रिकॉर्ड का नाम तब आशा पिक्चर्स रखा गया था। उन्होंने दीदी की आवाज को मेरा समझ लिया था। उन्होंने कहा कि ये आशा का गाना है। मैंने साफ़ किया कि, 'नहीं, ये मेरा नहीं। मेरी बहन का गाना है।' फिर उन्होंने मुझसे माफी मांगी थी। आशा भोसले के मुताबिक, ये वाक्यांश उनकी नई उड़ा ले गया था। उन्होंने बताया था कि मैंने सोचा कि अगर मैं दीदी की तरह ही गाती रहूंगी तो जब तक दीदी बिजनेस में हैं, कोई मुझे काम नहीं देगा। मेरा खुद का नाम और फेम नहीं होगा। उस वाक्य के बाद मैंने अपने सिंगिंग स्टाइल को बदलने की कोशिश की। मैंने इंग्लिश फिल्में देखनी शुरू की ताकि मैं वेस्टर्न गाने सीख सकूँ, समझ सकूँ कि वो लोग अंग्रेजी में कैसे गाते हैं। मैंने कबाली और गजल गाना भी सीखा। अपनी आवाज को अलग-अलग तरह की गायिकी के हिसाब से बदलना भी सीखा।

बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

आशा भोसले के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। अपने टैलेंट के दम पर वह ग्रेमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट होने वाली पहली भारतीय महिला सिंगर बनी थीं। आशा को 2005 में ग्रेमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। इतना ही नहीं, उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। 2011 में सबसे ज्यादा स्टूडियो रिकॉर्ड्स के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था। उन्होंने 20 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में 11 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। इसी के चलते उन्हें ये बड़ा खिताब मिला। आशा भोसले का नाम कई बार विवादों में भी रहा। उनके मशहूर गानों में 'दम मारो दम' और 'पिया तु अब तो आजा' भी शामिल हैं। ये गाने उस दौर में काफी बोल्ट माने गए थे। इन्हें लेकर खूब विवाद भी हुआ। रिपब्लिक भारत से बात करते हुए आशा भोसले ने खुलासा किया था कि आर डी बर्मन से इस बात को लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की थी कि वह उन्हें लगातार बोल्ट गाने दे रहे थे।

किसके नाम पर रखा गया सचिन तेंडुलकर का नाम?

सचिन तेंडुलकर का नाम संगीत के सुरों से निकला। उनके पिता रमेश तेंडुलकर, जिन्हें संगीत से गहरा लगाव था। वह महान संगीत निर्देशक सचिन देव बर्मन के बहुत बड़े फैंस थे। इसी दीवानगी के

चलते उन्होंने अपने बेटे (सचिन) का नाम इस महान संगीतकार के नाम पर रखा। सचिन देव बर्मन के बेटे आर.डी. बर्मन थे, जिनकी शादी मशहूर सिंगर आशा भोसले से हुई।

ब्रेट ली के साथ गाया था गाना

आशा भोसले ने ब्रेट ली के साथ मिलकर साल 2006 में 'यू आर द वन फॉर मी' गाया गया था। ये खाना हिंदी में था, जिसे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली ने ही लिखा था। उन्होंने भारत में हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2006 के

अभ्यास सत्रों के दौरान सिर्फ 30 मिनट में ही इस गाने के बोल लिख दिए थे। उनका इस सहयोग 'आशा एंड फ्रेंड्स' नामक एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा था। इस गाने में ब्रेट ने ये पंक्तियां भी गाईं, हां, मैं तुम्हारा हूँ, तुम्हारा ही रहूंगा।

केकेआर से जल्द जुड़ेंगे पथिराना



तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम चार मैचों के बाद भी एक मैच नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे मौजूद है। लेकिन टीम को अब राहत की खबर मिली है क्योंकि उसके स्टार श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट से आईपीएल में खेलने के लिए अनुमति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया है। पथिराना जल्द ही केकेआर टीम के साथ जुड़ सकते हैं।



संग्राम सिंह अर्जेंटीना की धरती पर MMA फाइट जीतने वाले पहले भारतीय बने

जब रविवार की रात को पूरा भारत सो रहा था, तब एमएमए का आइकन संग्राम सिंह ब्यून्स आयर्स में इतिहास रच रहा था। उन्हें अर्जेंटीना में MMA Fight जीतने वाले पहले भारतीय होने का गौरव हासिल हुआ। उस में 16 साल छोटे फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउंडियर को उन्होंने यहां ब्यून्स आयर्स के खचाखच भरे टियरे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में महज एक मिनिट 45 सेकंड में धरशाशी कर दिया। तिवस्ली (georgia) और एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) में जीत के बाद उन्होंने एमएमए में जीत की हैट्रिक भी पूरी कर ली। इस फाइट में उन्हें कुश्ती के दांव पेंचों का काफी फायदा हुआ। जीत के बाद रिंग पर दिए उनके एक बयान से पूरा एमएमए एरिना तालियों के शोर से जीत का रज उठा। दोहरे कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह ने कहा कि मेरे लिए जीत-हार कोई मायने नहीं रखती। मैं या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ। मैं अक्सर कहता हूँ कि पैसन की कोई उम्र नहीं होती।



80 साल का करियर, करोड़ों की संपत्ति

बॉलीवुड की आइकॉनिक सेलेब्रिटी की लिस्ट में टॉप में शामिल आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली के गोर गांव में हुआ था। उन्होंने बेहद कम उम्र में साल 1943 में अपना सिंगिंग करियर स्टार्ट कर दिया था और अब तक करीब 12000 से ज्यादा गाना गाए हैं। रिपोर्टरों की माने, तो उनकी कुल नेटवर्थ (Asha Bhosle Network) 80 से 100 करोड़ रुपए अनुमानित थी, जो वे अपने पीछे छोड़ गई हैं। उनके पीछे परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। दिवंगत आशा भोसले के नाम पर मुंबई समेत अन्य शहरों में और पुणे में लग्जरी घर हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में बताई जाती है। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि रिपोर्टरों के मुताबिक, बीते साल उन्होंने पुणे का अपार्टमेंट करीब 6 करोड़ रुपए में सेल किया था। इसकी जानकारी सीआरई मैट्रिक्स द्वारा मुंबई कराए गए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स से मिली बताई गई थी। इस अपार्टमेंट को उन्होंने साल 2013 में खरीदा था। साउथ मुंबई में उनका रेजिडेंस प्रभाकुंज अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत भी करोड़ों में है।

इस सीजन अब तक 18 गेंदबाजों का सामना कर चुके वैभव

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने अब तक इस सीजन खेली गई चार पारियों में चौके-छक्कों की बरसात कर दी है। वह चार मैचों में 200 रन के साथ फिलहाल ऑरेंज कैप की रेस में सबसे ऊपर हैं। इस दौरान उनका औसत 50 का और स्ट्राइक रेट 266.67 का रहा है। इस सीजन वह अब तक संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा दो अर्धशतक लगा चुके हैं। हालांकि, फैंस में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रहती है कि वह पहली गेंद पर क्या करेंगे। हर गेंदबाज के लिए इस सीजन उन्हें पहली गेंद डालना परेशानी का काम रहा है, क्योंकि वह किसी को रहम नहीं करते हैं। अगर गेंद उनके पाले में गिरी तो सीधे बाउंड्री के पार जाती है। इस सीजन अब तक वह 18 गेंदबाजों का सामना कर चुके हैं और इनमें से 10 गेंदबाजों के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर बाउंड्री लगाई है। आइए जानते हैं...

1 पहले मैच में राजस्थान का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ था। इस मैच में वैभव ने मेट हेनरी, खलील अहमद, अशुल कंबोज और नूर अहमद का सामना किया।

मैट हेनरी के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाया था। इसके बाद खलील अहमद वैभव के सामने आए। हालांकि, वैभव ने उनके खिलाफ अपनी पहली गेंद पर एक रन लिया, जो कि लेग बाइ के रूप में आया। अशुल कंबोज के खिलाफ वैभव ने अपनी पहली गेंद पर चौका लगाया। वहीं, नूर अहमद के खिलाफ वैभव ने अपनी पहली गेंद पर छह रन बटोरे। राजस्थान ने यह मैच अपने नाम किया था। इस मैच में वैभव ने 17 गेंद में चार चौके और पांच छक्कों की मदद से 52 रन की पारी खेली। राजस्थान ने यह मैच आठ विकेट से अपने नाम किया।

2 दूसरे मैच में राजस्थान का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। इस मुकाबले में वैभव का पाला सिराज, कमिसे राबाडा, अशोक शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों से पड़ा। हालांकि, इसमें भी वैभव अव्वल साबित हुए।

सिराज के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाया और फेंस का दिल जीत लिया। कमिसे राबाडा के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव कोई रन नहीं बना सके, लेकिन अगली गेंद पर जरूर चौका लगाया (इस चौके को स्ट्रेट में काउंट नहीं किया गया है)। अशोक शर्मा के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाया। 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गेंद भी वैभव को नहीं डरा सकी। प्रसिद्ध कृष्णा के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव कोई रन नहीं बना सके। वहीं, राशिद खान के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव कैच आउट हो गए। उन्होंने 18 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 31 रन की पारी खेली। राजस्थान ने यह मैच छह रन से अपने नाम किया।

3 तीसरे मैच में राजस्थान का सामना पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से हुआ। 11-11 ओवर

4 चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स का सामना डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ। इस मैच में वैभव की टक्कर भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाजों से हुई, लेकिन 15 साल का यह बल्लेबाज फिलकुल नहीं डरा। भुवनेश्वर के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने स्ट्रेट बाउंड्री पर 4 रन बटोरे। इसके बाद तेज गेंदबाज अभिनंदन सिंह के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव कोई रन नहीं बना पाए। हालांकि, अगली दो गेंद पर चौके बटोरे। जोश हेजलवुड के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने स्क्वायर थर्ड मैन के ऊपर से चार रन बटोरे। कृणाल पांड्या के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने एक रन लिया। दिम डेविड के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव कोई रन नहीं बना सके। हालांकि, अगली दो बॉल पर वैभव ने लगातार दो छक्के लगाए। इस मैच में वैभव ने 26 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से 78 रन की पारी खेली। राजस्थान ने यह मैच छह विकेट से जीता।

बोल्ड नहीं हो पाए हैं वैभव

- इस सीजन अब तक कोई गेंदबाज वैभव को बोल्ड नहीं कर सका है।
- पहले मैच में अशुल कंबोज ने वैभव को कैच आउट कराया था।
- दूसरे मैच में राशिद ने वैभव को कैच आउट कराया था।
- तीसरे मैच में शार्दूल ने वैभव को कैच आउट कराया था।
- चौथे मैच में कृणाल ने वैभव को कैच आउट कराया था।